सान्ध्य हिन्दी दैनिक — जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 261 | जौनपुर, सोमवार, 17 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### पूर्व सांसद केडी सिंह के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद केडी सिंह समेत आठ लोगों के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। राजधानी स्थित सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने यूपी सरकार की सिफारिश पर इस प्रकरण की जांच अपने हाथों में ली है। बता दें कि देश भर में निवेशकों की रकम हड़पने को लेकर केडी सिंह के खिलाफ सीबीआई पहले भी मुकदमे दर्ज कर चुकी है। सीबीआई ने पूर्व सांसद से जुड़ी कंपनियों अलकेमिस्ट इंफ्रा रियल्टी लिमिटेड और अलकेमिस्ट टाउनशिप लिमिटेड द्वारा निवेशकों को लुभावनी स्कीम पर भूखंड और मकान देने का झांसा देकर गाढ़ी कमाई हड़पने के मामले की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई द्वारा दर्ज मुकदमे में केडी सिंह के साथ बृजमोहन महाजन, सत्येंद्र कुमार सिंह, सुचित्रा खेमकर, नंद किशोर सिंह, जयश्री प्रकाश सिंह, छत्रपाल सिंह और नरेंद्र सिंह को नामजद किया है। दरअसल, केडी सिंह और उनके साथियों पर आरोप है कि उन्होंने 2009 में भदोही में कंपनियों का कार्यालय खोलने के बाद लुभावनी स्कीमों के जरिए निवेशकों से करीब दो करोड़ रुपये जमा कराए थे। बाद में निवेशकों को भूखंड नहीं दिए गए। निवेशकों द्वारा अपनी रकम वापस मांगने पर कंपनी के संचालक वर्ष 2018 में कार्यालय बंद करके भाग गए।

दो साल में दूसरा मुकदमा

बता दें कि केडी सिंह और उनकी कंपनियों के खिलाफ सीबीआई ने दो साल के भीतर दूसरा मुकदमा दर्ज किया है।

### सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त अधिकारियों से जांच कराने की मांग की

नयी दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर जारी विवाद के बीच पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने रविवार को अनियमितताओं के आरोपों की जांच उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त अधिकारियों से कराने की मांग की और सरकार से आग्रह किया कि वह परीक्षा आयोजित करने के तौर तरीकों को लेकर सभी राज्यों के साथ गहन विचार–विमर्श करे। एक साक्षात्कार में राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर किसी परीक्षा में परीक्षा तंत्र ही भ्रष्ट हो जाए तो प्रधानमंत्री के लिए चुप्पी साधना ठीक नहीं है।

### अवकाश सूचना

आप सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि ईद–उल –अजहा के अवसर पर देश की उपासना के कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 19 तारीख को समय से प्रकाशित होगा। – प्रबन्धक

## हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद – सीएम आदित्यनाथ

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के कारण मार्च से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन

कार्यक्रम को रविवार को गोरखपुर में आयोजित हुआ जिसमें उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। इसके पहले लखनऊ के सरकारी आवास में मुख्यमंत्री ने जनता की समस्याएं सुनीं थीं। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले नौ मार्च को हुआ था। जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोग थे जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है और हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के अनुमानित चिकित्सीय खर्च की रिपोर्ट तैयार कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए और जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए।

## बलिया के गड़वार कस्बे में 20 जून को होगा बाबू बालेश्वर लाल की मूर्ति का अनावरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि बलिया के गड़वार कस्बे में 20 जून को आयोजित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की प्रतिमा का अनावरण एवं संगठन के प्रादेशिक सम्मेलन की तैयारी अब अंतिम चरण में है। प्रतिमा की स्थापना एक विशाल मंडप में कर दी गई है। सम्मेलन के लिए चयनित स्थान पर साफ सफाई, मंच बनाने एवं टेंट लगाने का कार्य जोरों से चल रहा है, जिसमें मजदूर दिन–रात लगे हैं। इस मौके पर लोकार्पित होने वाली स्मारिका ग्राम्य गौरव भी छप कर आ चुकी है। संगठन के प्रादेशिक अध्यक्ष सौरभ कुमार ने बताया कि पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य

प्रतिमा का अनावरण काशी सुमेर स्वामी श्री नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश नितिन रमेश गोकर्ण होंगे। सम्मेलन में पूरे प्रदेश से संगठन से जुड़े लगभग 1000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। सम्मेलन में शिरकत करने वाले संगठन के प्रत्येक प्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विधा से जुड़े दर्जनों लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

इसके पूर्व सम्मेलन स्थल पर 19 जून की शाम प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों एवं पदाधिकारियों की एक बैठक भी आहूत की गई है। गैर जनपद से आने वाले प्रतिनिधियों के आवास एवं भोजन की भी व्यवस्था कर दी गई है।

## मुख्यमंत्री ने इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के अभियान की शुरुआत की

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में अलग–अलग चरणों में 51 लाख पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी अभियान की रविवार को शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर पौधे लगाकर हरित आवरण में वृद्धि करना समय की मांग है। यादव ने ''अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम'' अभियान की एक पौधा लगाकर औपचारिक शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित भव्य समारोह में कहा कि आने वाले दिनों में पूरे प्रदेश में 5.50 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई गई है और यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि इनमें से 51 लाख पौधे अकेले इंदौर में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के मौजूदा हालात के मद्देनजर बड़े पैमाने पर पौधारोपण करके हरित आवरण बढ़ाया जाना बेहद जरूरी है। यादव ने कहा,

''विकास की अंधाधुंध दौड़ के कारण बढ़ते प्रदूषण से ओजोन परत को नुकसान हो रहा है। इस वजह से मनुष्यों के साथ ही प्रकृति का भी स्वास्थ्य बिगड़ रहा है।'' मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ''अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के वास्ते 10 करोड़ रुपये इंदौर नगर निगम के जरिये प्रदान किए जाएंगे और 10 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद वन विभाग मुहैया कराएगा। सूबे के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार और आम नागरिकों की भागीदारी से चलने वाले इस पौधारोपण अभियान की शुरुआत सात जुलाई से होगी और यह मुहिम 14 जुलाई को समाप्त होगी। उन्होंने कहा, ''इस आठ दिवसीय अभियान के दौरान कुल 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। अभियान के अंतिम दिन 14 जुलाई को 11 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इस कारनामे को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की कोशिश भी की जाएगी। अपने इंदौर दौरे में स्थानीय सांसद शंकर लालवानी के सुझाए अभियान ''हेल्दी मध्यप्रदेश इनिशिएटिव'' की भी शुरुआत की। इस अभियान के तहत सूबे के लाखों युवाओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

## दैवी आपदा के कार्यों में लापरवाही पर शाहाबाद और बिलग्राम एसडीएम से जवाब–तलब

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों से कहा कि दैवी आपदा के प्रकरणों पर क्षेत्रीय लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार से समय के अंदर रिपोर्ट लेते हुए आर्थिक मदद दिलाई जाए। तहसील शाहाबाद और बिलग्राम में दैवी आपदा के मामले लंबित मिले। इस पर शाहाबाद एसडीएम पूनम भास्कर और बिलग्राम एसडीएम गरिमा सिंह से जवाब–तलब किया है। वहीं, मल्लावां के दैवी आपदा के एक मामले में देरी पर बिलग्राम के तहसीलदार अमित यादव को प्रतिकूल प्रविष्टि भी दी गई है। दैवी आपदा सहित अन्य प्राथमिकता के कामों में लापरवाही पर तहसील शाहाबाद और बिलग्राम के एसडीएम को नोटिस जारी की गई है। पत्रावलियों और कामों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित न किए जाने पर डीएम ने नाराजगी जाहिर की और जवाब–तलब किया है। मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक दैवी आपदा पीड़ितों को 24 घंटे में मदद दिए जाने की व्यवस्था को तहसीलों के जिम्मेदार पूरा नहीं कर पा रहे हैं। पीड़ित परिवारों और आश्रितों को समय से मदद नहीं मिल पाती है। इससे पीड़ितों को मदद के लिए भटकना पड़ता है और जिले की छवि प्रभावित होती है। डीएम एमपी सिंह ने दैवी आपदा के प्रकरणों को जांच–पड़ताल के साथ हर हाल में 24 घंटे में निस्तारित कराए जाने के प्रयास तेज किए हैं। तहसीलों के अधिकारियों की लापरवाही और देरी से प्रकरण लंबित हो रहे हैं।

## प्रेरणास्थल से विदेशी भी जान सकेंगे भारत का लोकतंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेरणा स्थल बनने के बाद संसद में लगी सभी महापुरुषों और क्रांतिकारियों की प्रतिमाएं एक स्थान पर होंगी। यहां आगुंतक और पर्यटक उनके जीवन

दर्शन के बारे में सुन और पढ़ सकेंगे। इसके लिए संसद के भीतर एक विशेष व्यवस्था की जा रही है। रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रेरणास्थल से भारत के लोगों को तो जानकारी मिलेगी ही, साथ ही विदेशी भी भारत के लोकतंत्र और भारत के बारे में जान सकेंगे। हमारी नई पीढ़ी भी इन महापुरुषों के योगदान से अवगत हो सकेगी। उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति रविवार शाम इसका लोकार्पण करेंगे। इससे पहले विपक्ष ने आरोप लगाया था कि संसद में महात्मा गांधी समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों को उनके स्थान से हटाया जा रहा है। गौरतलब है कि असहमति होने पर कई बार विपक्षी सांसद महात्मा गांधी की मूर्ति के समक्ष विरोध–प्रदर्शन करते हैं। रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि संसद में एक प्रेरणास्थल का निर्माण किया जा रहा है, जहां इन प्रतिमाओं का जीवंत दर्शन किया जा सकेगा। संसद भवन के अंदर महापुरुषों, क्रांतिकारियों, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक नवचेतना जगाने वाले महापुरुषों की अलग–अलग समय में अलग–अलग स्थानों पर भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। संसद ने निर्णय किया है कि अब उन प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक तरीके से प्रेरणास्थल पर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यहां भारत के लोकतंत्र की विरासत, संस्कृति व भारत के लोकतंत्र में योगदान देने वालों की जानकारी मिलेगी।

## रिजिजु संभालेंगे संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मंत्रालय

नयी दिल्ली, एजेसी। अरुणाचल प्रदेश की पश्चिम सीट से सांसद चुने गए किरण रिजिजु को एक बार फिर कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इस बार वे संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मंत्रालय देखेंगे। तो वहीं मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में उन्होंने कानून और पृथ्वी मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। किरन रिजिजू का राजनीतिक जीवन काफी शानदार रहा है। वह चौथी बार सांसद चुनकर आए हैं। उन्होंने अपनी राजनीति की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के साथ 2004 में शुरु की थी। किरण रिजिजू का जन्म 19 नवंबर 1971 को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में हुआ था। वे एक राजनीतिक विरासत वाले मजबूत परिवार से आते हैं। क्योंकि उनके पिता अरुणाचल प्रदेश के पहले प्रो–टर्म स्पीकर भी रहे हैं। जिन्होंने राज्य की पहली विधानसभा में सदस्यों को शपथ दिलाई थी। अरुणाचल से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद रिजिजु ने

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बीए किया। इसके बाद 1998 में डीयू की लॉ फैकल्टी से कानून की डिग्री हासिल की। रिजिजु ने अपने छात्र जीवन से ही सार्वजनिक मामलों में गहरी रुचि दिखाई। 2002 में जब वह 31 साल के थे तब उन्हें खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। वे 2004 में पश्चिम अरुणाचल प्रदेश निर्वाचन क्षेत्र से 14वीं लोकसभा के लिए भी चुने गए थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में खूब काम किया और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचान बनाई। किरण रिजिजु 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए और बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। तब उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू के सलाहकार के रूप में काम किया। 2014 लोकसभा चुनाव से पहले वह वापस भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और उनके राजनीतिक जीवन का एक बेहतरीन दौर शुरू हुआ। रिजिजु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्लुक ईस्ट नीतिश को मजबूती दी और इस नीति को मजबूती देने की दिशा में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे। 2019 का लोकसभा चुनाव फिर से जीत कर संसद पहुंचे। करियर के दौरान कई प्रमुख पदों पर काम किया। कम उम्र में वह बीजेपी में राष्ट्रीय सचिव जैसे उच्च पदों पर रहे।

## गृह मंत्री ने की जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात की समीक्षा को लेकर की हाई लेवल मीटिंग

नयी दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर रविवार को क्षेत्र के सुरक्षा हालात की समीक्षा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री को जम्मू–कश्मीर के मौजूदा हालात के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और आने वाले दिनों में सुरक्षाबल वहां आतंकवाद रोधी अभियान तेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार चलाया जाएगा। शाह ने यहां नॉर्थ ब्लॉक में उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इसी मुद्दे पर एक बैठक की थी जिसमें उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया था। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, अगले सेना प्रमुख के तौर पर नामित लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, गुप्तचर ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

(सीआरपीएफ) के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह, बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल, जम्मू–कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आर आर स्वैन और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को हुई एक बैठक में शाह को जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों की तैनाती, घुसपैठ की कोशिशों, आतंकवाद रोधी अभियानों की स्थिति और केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी गई थी। आतंक वादियों ने पिछले चार दिनों में जम्मू– कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए, जिनमें नौ तीर्थयात्रियों और सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई तथा सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए।

## तेजस्वी ने कानून व्यवस्था को लेकर फिर उठाए सवाल

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव इन दिनों प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। पिछले कुछ दिनों से वे सोशल मीडिया पर आपराधिक घटनाओं का जिक्र कर सरकार पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने बिहार के लोगों को सतर्क और सावधान रहने की भी सलाह दी। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट कर प्रदेश के लोगों को सलाह देते हुए लिखा, प्रिय बिहारवासियों, सतर्क, सचेत और सावधान। बिहार में सरेराह सरेआम सत्ता संरक्षित अपराधियों के द्वारा कहीं भी, कभी भी किसी को भी गोली मारी जा सकती है। चाकू और बन्दूक दिखा छिनतई और लूटपाट की जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए आगे लिखा, जंगलराज के बारे में टेलीप्रॉम्प्टर से रटे–रटाए भाषण पढ़ने वाले प्रधानमंत्री जी, 2005 से पूर्व के इतिहास में जी कर वर्तमान की निर्मम व रिकॉर्डतोड़ आपराधिक घटनाओं पर आंखें मूंदने व चुप्पी साधने वाले मुख्यमंत्री जी और बयानवीर उपमुख्यमंत्रियों एवं मंत्रियों से पूछना चाहता हूं कि इस जानलेवा गोलीबारी, बमबारी, छिनतई, लूटपाट और हत्याओं वाले कथित मंगलराज का रहनुमा कौन है?

# संपादकीय

## यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन से आशा

जॉन रिचर्डसन द्वारा इस सप्ताहांत स्विटजरलैंड द्वारा आयोजित 'यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन' सामान्य अर्थों में शांति सम्मेलन नहीं है। रूस, जिसने इसे अप्रासंगिक बताकर खारिज कर दिया है, इसमें भाग नहीं लेगा। और युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित कोई भी शिखर सम्मेलन रूस की भागीदारी के बिना अंतिम समझौता नहीं कर सकता। इसके बजाय, यह शिखर सम्मेलन यूक्रेन द्वारा "यूक्रेन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में एक मार्ग" के लिए व्यापक समर्थन बनाने के प्रयास से उपजा है। विशेष रूप से, यह भविष्य के समझौते के लिए कुछ बुनियादी सिद्धांतों के इर्द–गिर्द आम सहमति बनाना चाहता है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का दस–सूत्री "शांति सूत्र", जिसे पहली बार नवंबर 2022 में निर्धारित किया गया था, कुछ आपत्तिजनक विचारों की वकालत करता है। यह रूस के आक्रमण से यूक्रेन को हुए नुकसान के साथ–साथ रूस द्वारा अन्य देशों के लिए उत्पन्न खतरों पर भी प्रकाश डालता है। योजना में शामिल हैं। परमाणु सुरक्षा (रूस द्वारा जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर कब्जा करने से उत्पन्न जोखिमों को रेखांकित करना, साथ ही रूसी परमाणु हमले) खाद्य सुरक्षा (आक्रमण के कारण वैश्विक खाद्य आपूर्ति में व्यवधान और यूक्रेन के काला सागर बंदरगाहों से नौवहन की स्वतंत्रता की आवश्यकता को संबोधित करना) ऊर्जा सुरक्षा (रूस के हमलों से यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुँचाने पर प्रकाश डालना) सभी यूक्रेनी कैदियों की रिहाई और रूस को निर्वासित यूक्रेनी बच्चों की वापसी (राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट का विषय) यूक्रेनी क्षेत्र को 2014 से पहले की अपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं पर बहाल करना रूसी सैन्य बलों की पूर्ण वापसी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत न्याय, जिसमें कथित युद्ध अपराधों पर मुकदमा चलाने और यूक्रेन को हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने के लिए एक विशेष न्यायाधिकरण शामिल है युद्ध के कारण होने वाले पर्यावरणीय विनाश को संबोधित करना भविष्य में रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी एक बहुपक्षीय शांति सम्मेलन युद्ध को समाप्त करने के लिए बाध्यकारी संधि कौन भाग ले रहा है? यूक्रेन ने पिछले 18 महीनों में अनौपचारिक बैठकों के माध्यम से प्रस्ताव तैयार किया है। मेजबान स्विट्जरलैंड का कहना है कि आमंत्रित 160 में से लगभग 90 देशों ने भाग लेने पर सहमति व्यक्त की है। कई यूरोपीय नेता वहाँ होंगेय संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस करेंगी। शिखर सम्मेलन इटली में इस सप्ताह होने वाली ळ7 बैठक के तुरंत बाद होने वाला है। यूक्रेन को उम्मीद है कि ळ7 युद्ध के प्रयासों के लिए अपने पिछले समर्थन को बनाए रखेगा, विशेष रूप से क्षतिपूर्ति पर कार्रवाई के माध्यम से। इसमें यूक्रेन के पुनर्निर्माण और रक्षा के लिए जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों का उपयोग करना शामिल है। जुलाई में होने वाले आगामी नाटो और यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन भी सहायता प्राप्त करने और उन निकायों में यूक्रेन की सदस्यता आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालाँकि, शिखर सम्मेलन में यूक्रेन का मुख्य लक्षित दर्शक श्ग्लोबल साउथश के देश होंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्राजील, भारत, इंडोनेशिया, तुर्की और दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े खिलाड़ियों में से कितने का प्रतिनिधित्व होगा – या वे नेताओं या मंत्रियों के बजाय अधिकारियों को भेजेंगे। ऐसे संकेत हैं कि सऊदी अरब और पाकिस्तान सहित अन्य देश इसमें शामिल नहीं होंगे, जिससे यूक्रेन निराश होगा। चीन, जो युद्ध शुरू होने के बाद से रूस के साथ अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है, ने भी कहा है कि वह मास्को की अनुपस्थिति के कारण इसमें भाग नहीं लेगा। बदले में, जेलेंस्की ने चीन पर आरोप लगाया है कि वह देशों को भाग लेने से रोकने के लिए रूस के साथ मिलकर काम कर रहा है। एजेंडे पर यूक्रेनी सरकार का कहना है कि वह शिखर सम्मेलन में परमाणु सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और कैदियों और निर्वासित बच्चों की वापसी को प्राथमिकता देगी। ये संभवतः आम सहमति के लिए सबसे अच्छी संभावनाएँ प्रदान करते हैं। सरकार को लगता है कि उसे धीरे–धीरे अन्य बिंदुओं पर आगे बढ़ने की आवश्यकता हो सकती है। स्विट्जरलैंड ने भी बड़ी प्रगति की उम्मीदों को कम करके आंका है। उन्होंने सुझाव दिया है कि दूसरे अनुवर्ती सम्मेलन की आवश्यकता हो सकती है, जिसमें रूस को शामिल किया जा सकता है। एक अन्य प्रमुख उद्देश्य इस विचार के लिए समर्थन को मजबूत करना होगा कि किसी भी समझौते में यूक्रेन की मान्यता प्राप्त सीमाओं को बहाल करना शामिल होना चाहिए, जिस पर रूस ने पहले 2004 की संधि में सहमति व्यक्त की थी। इस बिंदु को स्पष्ट करने के लिए, यूक्रेन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 का आह्वान करता है, जिसमें राज्यों को अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बल का उपयोग नहीं करने की आवश्यकता होती है। इस सिद्धांत को पिछले कई वर्षों में कई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों द्वारा पुष्ट किया गया है, विशेष रूप से इजराइल–फिलिस्तीन संघर्ष पर, जो बल द्वारा क्षेत्र के अधिग्रहण की अस्वीकार्यता की पुष्टि करता है। जैसा कि मैंने अन्यत्र तर्क दिया है, पिछले 60 वर्षों में क्षेत्रीय विजय पर इस रुख का समग्र रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने लगातार सम्मान किया है। इसके अलावा, कम से कम 141 देशों ने 2022 और 2023 में रूस के आक्रमण की निंदा करने और यूक्रेन से हटने की मांग करने के लिए तीन संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्तावों में मतदान किया।

# प्रधानमंत्री खुद को बदल पाएंगे, शासन शैली में भी आएगा परिवर्तन

रामचंद्र

करीब एक साल पहले यानी 1 जुलाई, 2023 को इसी पेज पर छपे एक लेख में मैंने लिखा था कि मुझे भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद है। मुझे लगता था कि "लोकसभा में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है। वामपंथी और उदारवादी जमीनी हकीकत को समझ नहीं पाए और भाजपा को लगभग 230 सीटें मिल सकती हैं।" एक सप्ताह बाद फिर माहेश्वरी ने यह लिखा, "मोदी अपने राजनीतिक स्वभाव में तानाशाही गुणों के साथ अनिर्णय से ग्रस्त हैं। यह बात मेरे इस कथन को मजबूत करता है कि भाजपा की ताकत 230 सीटों तक कम हो सकती है।" 18 मार्च को माहेश्वरी ने पुनरू मुझे एक ई–मेल भेजा, जिसमें लिखा था, "भाजपा को 230 सीटें मिलेंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश में 80 में से 30 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी की क्षमताओं के बारे में मेरे मन में कई तरह की आशंकाएं हैं, फिर भी वह एकमात्र ऐसे गैर–भाजपाई नेता हैं, जो सड़क पर उतरे हैं और अच्छी–खासी भीड़ को अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं।" अनिल माहेश्वरी ने चुनाव शुरू होने से एक महीने पहले यह भविष्यवाणी कर दी थी।

जुलाई, 2023 में मैंने आशा के विपरीत उम्मीद जताते हुए कहा था कि "गठबंधन की सरकार आएगी। भारत बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश है। इसे सहयोग और सलाहों के बिना चलाया ही नहीं जा सकता है। हालांकि संसद में ज्यादा बहुमत होने से सत्ता पक्ष में अहंकार आ जाता है। बहुत अधिक बहुमत वाला प्रधानमंत्री अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है, विपक्ष का अनादर करता है, प्रेस पर लगाम लगाता है, संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करता है और नहीं तो कम से कम राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी करता है। खासतौर पर उन राज्यों की, जहां किसी और पार्टी का शासन रहता है।" नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले मैंने इंदिरा और राजीव गांधी की सरकारों को देखा है, जिनमें प्रचंड बहुमत के कारण सत्तावादी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लक्षण मिलते हैं। दूसरी तरफ मैंने गठबंधन सरकारों को भी देखा है, जब प्रेस और न्यायपालिका अधिक स्वतंत्र थे और नियामक संस्थाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कम थी। 1989 से 2014 के बीच किसी भी एक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं मिला था। इस दौरान सात प्रधानमंत्री हुए, जिनमें से चार– वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और गुजराल दो साल से भी कम समय तक कार्यालय में रहे। दूसरी तरफ, तीन प्रधानमंत्रियों ने पांच साल के कार्यकाल पूरे किए, जिनमें नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। अब मोदी तीसरे कार्यकाल में उन प्रधानमंत्रियों की श्रेणी में आ गए हैं, जिन्होंने बिना पूर्ण बहुमत के सरकार चलाई। हालांकि उनसे पहले के प्रधानमंत्रियों ने अपने अनुभव और स्वभाव के चलते प्रभावी तरीके से सरकार चलाई। नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री बनने से पहले इंदिरा और राजीव गांधी की कैबिनेट में लंबे समय तक काम किया। वाजपेयी प्रधानमंत्री बनने से पहले मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने भी प्रधानमंत्री के पद पर आने से पहले नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में काम किया था। इसके अलावा राव, वाजपेयी और मनमोहन ने सरकार से बाहर रहते हुए विपक्षी सांसदों की भूमिका भी निभाई। एक प्रचारक और पार्टी के संगठनकर्ता के तौर पर मोदी ने कई वर्षों तक अन्य लोगों के साथ या उनके अधीन भी काम किया, लेकिन जब से उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, वह कभी भी मात्र विधायक या सांसद नहीं रहे। यहां तक कि राज्य या केंद्रीय स्तर पर मंत्री भी नहीं रहे। 2001 से उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में ही देखा है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने खुद को बॉस, टॉप बॉस, सोल और सुप्रीम बॉस के रूप में देखा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसने एक बहुत बड़े पंथ का निर्माण किया है या एक ऐसा नेता, जो अपने दम पर पहले अपने राज्य और फिर देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाएगा। राज्य और केंद्र, दोनों जगहों पर उन्होंने किसी भी नई परियोजना के शुरू होने या उसके पूरे होने का हमेशा श्रेय लिया, चाहे वह पुल हो, हाईवे हो, रेलवे स्टेशन हो, खाद्य सब्सिडी हो या कुछ और। नरसिम्हा राव और वीपी सिंह का व्यक्तित्व आत्मसंतुष्ट और संयमित था। वाजपेयी का व्यक्तित्व अधिक करिश्माई था, लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को पार्टी का केंद्र–बिंदु नहीं माना, अपनी सरकार या देश का तो बिल्कुल भी नहीं। इस तरह देखा जाए तो ये तीनों ही अपने अनुभव और स्वभाव के आधार पर कैबिनेट के सहयोगियों और विपक्ष के साथ सलाह–मशविरा कर काम करने के लिए तैयार रहते थे।

# समंदर किनारे मौज-मस्ती से लेकर क्वैकचौट तक

शिव शरण

कार्टून किरदार डोनाल्ड डक से कार्टून देखने वाला भला कौन–सा बच्चा परिचित नहीं होगा? जब टेलीविजन आया, तो हर रविवार मिकी माउस के साथ जिस कार्टून चरित्र का सबसे ज्यादा इंतजार रहता था, वह था डोनाल्ड डक। लेकिन क्या आपको पता है कि आपका प्यारा डोनाल्ड डक 90 साल का हो गया है? लेकिन वह बूढ़ा नहीं हुआ। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि डोनाल्ड डक पहली बार सहायक चरित्र के रूप में एक कार्टून फिल्म द वाइज लिटल हेन में दिखा था। लेकिन इस पात्र को लोगों ने इस कदर पसंद किया कि वह जल्द ही मुख्य भूमिका में आ गया। वर्ष 1934 में फिल्मी पर्दे पर अपनी उपस्थिति के कुछ वर्षों के भीतर ही डोनाल्ड डक तत्कालीन महान अभिनेत्रियों शर्ली टेंपल या ग्रेटा गार्बो के बराबर का सितारा माने जाने लगा था। उसकी लोकप्रियता डिज्नी की 1939 की एनिमेटेड लघु फिल्म द ऑटोग्राफ हाउंड में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिसमें उस वक्त के हॉलीवुड की ए–सूची के अभिनेता ने डोनाल्ड का ऑटोग्राफ लेने के लिए अपने स्टूडियो में फिल्म की शूटिंग छोड़ दी थी। डोनाल्ड डक के रचयिता वाल्ट डिज्नी खुद 1940 तक डोनाल्ड डक को अपने 'अस्तबल का गेबल' कहने लगे थे। दरअसल डोनाल्ड डक की लोकप्रियता को हॉलीवुड के सुपरस्टार क्लार्क गेबल के साथ जोड़ा गया, जो उस समय एमजीएम स्टूडियो में सबसे बड़ा नाम था। 1940 के दशक में डोनाल्ड डक पूरी दुनिया के लिए आइकन बन चुके थे। यूरोप और अमेरिका में बच्चों की किताबों से लेकर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सरकार के घरेलू प्रचार तक में डोनाल्ड डक छाया रहा। डोनाल्ड को उन कार्टूनों में अभिनय करते हुए दिखाया गया, जो अमेरिकियों को युद्ध को समर्थन देने की खातिर प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए थे। इन लघु एनिमेशन फिल्मों में लोगों को अमेरिका के सरकारी बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने से लेकर हिटलर को सनकी तानाशाह बताकर उसका उपहास उड़ाने तक की बातें शामिल हैं। बाद वाली लघु एनिमेटेड फिल्म डेर फ्यूहरर्स फेस ने डोनाल्ड को 1943 में पहला ऑस्कर दिलाया, हालांकि जापानी लोगों के व्यंग्यात्मक चित्रण के कारण उसकी तबसे काफी आलोचना होती रही है। डोनाल्ड डक आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना वह बीसवीं सदी के मध्य में था। मीडिया शोधकर्ता क्रिस रोजेक ने मशहूर हस्तियों के वर्गीकरण में डोनाल्ड डक का भी उदाहरण दिया है। डक एक आदर्श मशहूर हस्ती का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक काल्पनिक किरदार है और लोकप्रिय संस्कृति (पॉपुलर कल्चर) की एक संस्थागत विशेषता है। डिज्नी के अन्य किरदारों के विपरीत डोनाल्ड की कहानियां वर्तमान में घटित होती हैं और दर्शकों एवं पाठकों के लिए समकालीन होती हैं। महिला किरदारों के साथ उसके रिश्ते में यह बात साफ झलकती है। डोनाल्ड के प्रारंभिक दिनों में महिला किरदारों को अक्सर सुंदरता, घरेलूपन और पितृसत्ता की अधीनता को दर्शाने तक ही सीमित रखा जाता था, जो दुनिया भर की महिलाओं के अनुभवों को दर्शाता था। उदाहरण के लिए, डेजी डक को मूल रूप से कभी भी अपनी नौकरी करते हुए या किसी कॅरिअर में नहीं दिखाया गया है, इसके विपरीत डोनाल्ड डक को कई तरह के रोजगार में दिखाया गया है, जिनमें निजी जासूस, डाक कर्मचारी और सेल्समैन सहित कई नौकरियां शामिल हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आधुनिक दुनिया को प्रतिबिंबित करने के लिए महिला पात्रों का विकास हुआ है। इसमें डोनाल्ड की बहन डेला डक जैसे पात्रों को पहली बार कथानक में उपस्थित करना भी शामिल है। डेला एक कुशल पायलट है, जिसे अक्सर एक्शन दृश्यों के बीच में देखा जा सकता है और कॉमिक बुक सीरीज डकटेल्स (2018) के कथानक के साथ–साथ इसी नाम से बने टेलीविजन शो के लिए भी वह एक अनिवार्य किरदार है। इन कहानियों में डेला डक, डेजी डक और अन्य महिला किरदारों के पास एजेंसी है और वे मुख्य पात्र हैं और महज पुरुष पात्रों का समर्थन करने के लिए नहीं हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड डक सुदूर आकाशगंगा (दूसरी दुनिया) से आने वाले एलियन या श्एक समय की बात हैश जैसी कहानियों के राजकुमार या राजकुमारियों की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद किरदार है। इसकी वजह यह है कि डोनाल्ड या उसके दोस्त रोजमर्रा की उन्हीं चुनौतियों का सामना करते हैं, जिनसे हम दो–चार होते हैं और वे उन्हीं खुशियों का आनंद लेते हैं, जिनकी अनुभूति हमें होती है।

उन्हें भी हमारी तरह ट्रैफिक जाम, नौकरी से असंतुष्टि का सामना करना पड़ता है और उन्हें भी हमारी तरह समुद्री इलाके में छुट्टी मनाना या उत्सव या समारोह में परिवार के लोगों के साथ मिलना–जुलना या इसी तरह की चीजें अच्छी लगती हैं। इसलिए डोनाल्ड जिस स्थिति में खुद को पाता है, दर्शकों के लिए उसके साथ सहानुभूति रखना, उसे पहचानना और उसकी भावनाओं को समझना मुश्किल नहीं लगता है। दर्शक उसके दुख–सुख के साथ अपने जीवन की घटनाओं को जोड़ने लगते हैं। पिछले 90 वर्षों से दर्शकों के साथ डोनाल्ड के अनुभवों का यही जुड़ाव इसकी सफलता और लोकप्रियता का महत्वपूर्ण कारण रहा है। डोनाल्ड डक के किरदार के लिए प्रासंगिक कुंठाएं उसकी कहानियों के महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। 1930, 1940 और 1950 के दशक में जिन एनिमेटेड लघु फिल्मों में डोनाल्ड ने अभिनय किया था, उनमें डोनाल्ड ने रेडियो और टेलीविजन के तकनीकी विकास का आनंद उठाया। और डकटेल्स में उसके सबसे हालिया एनिमेडेट प्रदर्शन में डोनाल्ड के किरदार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्वैकचौट का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, जो निश्चित रूप से स्नैपचौट की नकल है। डोनाल्ड डक पूरी दुनिया में हमेशा से लोकप्रिय है, क्योंकि वह आम आदमी की तरह है, हर कोई उसे अपने निजी सुख–दुख से जोड़कर देखता है। दुनिया भर के लोग आज भी उससे अपना जुड़ाव महसूस करते हैं और जीवन की कठिनाइयों के प्रति गुस्से में उसके नखरे को देखकर उस पर हंसते हैं। वह हमें अपनी कुंठाओं को द सिम्पसन के होमर सिम्पसन या फैमिली गाय के पीटर ग्रीफिन जैसे वयस्क कार्टून के सितारों के साथ तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का एक तरीका प्रदान करता है। जब तक डोनाल्ड डक समाज के साथ अपना तालमेल बनाए रखेगा, और जब तक उस बदलती हुई दुनिया को प्रतिबिंबित करता रहेगा, जिसमें हम सब रहते हैं, तब तक इस डक (बत्तख) के हमारे जेहन से उड़कर कहीं और चले जाने की कोई आशंका नहीं है।

# मोहन भागवत के मोदी पर अहंकार वाले स्टिंग को समझना

आदित्य

इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अध्यक्ष मोहन भागवत की तीखी आलोचना ने भारतीय जनता पार्टी में कई लोगों को इस बात पर आश्चर्य में डाल दिया है कि इस तरह की आक्रामकता के पीछे क्या कारण है। नरेंद्र मोदी पर लगभग सीधे हमले में भागवत ने "सेवक" के "अहंकार" को अस्वीकार कर दिया, सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालने वाले "कड़वे" चुनाव अभियान की निंदा की और कहा कि विपक्ष को "प्रतिपक्ष" के रूप में देखा जाना चाहिए न कि "प्रतिद्वंद्वी" के रूप में। लुटियंस दिल्ली के गलियारों में भाजपा और उसके वैचारिक स्रोत के बीच मतभेद के दो संभावित कारण चर्चा में हैं। गौरतलब है कि मोदी ने अपने अभियान के पहले दौर के दौरान नागपुर में एक रात बिताई थी। वे अपनी यात्रा को गुप्त रखने के लिए देर रात आरएसएस मुख्यालय पहुंचे थे। एक वर्ग का मानना है कि अपने प्रवास के दौरान मोदी ने जानबूझकर सरसंघचालक (आरएसएस प्रमुख) से मुलाकात नहीं की। दूसरों के अनुसार, भागवत ने मोदी से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, क्योंकि वे भाजपा द्वारा संघ को चुनाव योजना से बाहर रखने से नाराज थे। हालांकि, दोनों कारणों से यह पुष्टि होती है कि मोदी और भागवत के बीच कोई मुलाकात नहीं हुई। नागपुर प्रवास के बाद मोदी ने विभाजनकारी प्रचार अभियान शुरू किया, जिसमें विपक्ष के सत्ता में आने पर मुस्लिमों द्वारा हिंदू महिलाओं के मंगलसूत्र जब्त करने की धमकी दी गई। सम्मानपूर्ण विदाई बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ठपरन श्रंदंज वंस च्तमेपकमदज छंअममद च्ंजदंपा के सम्मानपूर्ण हाव–भाव ने बुधवार को ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हजारों लोगों का दिल जीत लिया। पटनायक समारोह में गए और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच मंच पर बैठे। 24 साल तक लगातार सत्ता में रहने के बाद हारने पर वे निराश नहीं दिखे। केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान ने मंच पर उनका स्वागत किया। 'लंबे कद' वाले पटनायक की शालीनता देखकर हर कोई हैरान रह गया। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटनायक के पास गए, कुछ देर तक उनका हाथ थामे रहे और दोनों ने एक–दूसरे से इस तरह हाथ मिलाया जैसे दो दोस्त लंबे समय बाद मिल रहे हों। पटनायक ने चुनाव प्रचार के दौरान उन पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने वालों के प्रति कोई नाराजगी नहीं दिखाई। तनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता इन दिनों बिहार में 2025 के विधानसभा चुनावों में अपनी संभावनाओं को लेकर तनाव में हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारियों की देखरेख करते हुए पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद ने उम्मीदवारों को चेतावनी दी थी कि उन्हें अपने लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से वोटों में बढ़त हासिल करनी चाहिए, ऐसा न करने पर उन्हें राज्य चुनावों के लिए टिकट नहीं दिया जाएगा। राजद ने जिन 23 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 19 सीटें हार गईं, जो कुल मिलाकर लगभग 114 विधानसभा सीटें हैं। इसलिए इन सीटों के लिए टिकट के दावेदार बेचैन हैं। राजद के एक विधायक ने कहा, ष्हम विधायक बनने के अपने सपनों को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि लालूजी... हार को हल्के में नहीं लेते।ष् एक अन्य ने आश्चर्य जताया कि क्या उन्हें दैवीय मदद के लिए मंदिरों में जाना चाहिए। बेहतर मूड लोग बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेहत को लेकर चिंतित हैं, जिनमें कथित तौर पर डिमेंशिया के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। लेकिन अब उनके कदमों में अचानक उछाल आ गया है, उनके होठों पर मुस्कान है और उनकी आंखों में चमक है और डिमेंशिया जैसे लक्षण कम हो रहे हैं।

# विषम करों से अप्रत्याशित सबक

विनोद

हमारा नया संविधान अब स्थापित हो चुका है, और इसमें स्थायित्व का वादा करने वाला एक रूप हैय लेकिन इस दुनिया में मृत्यु और करों के अलावा कुछ भी निश्चित नहीं कहा जा सकता है। मृत्यु और करों के बारे में यह कथन एक परिचित उद्धरण है और इसे आमतौर पर बेंजामिन फ्रैंकलिन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। वास्तव में, मैंने जो उद्धृत किया है वह बेंजामिन फ्रैंकलिन ने 1789 में फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी जीन–बैप्टिस्ट ले रॉय को लिखे एक पत्र में लिखा था। सबसे पहला प्रयोग संभवतः क्रिस्टोफर बुलॉक ने 1716 के एक नाटक में किया था। और डैनियल डेफो घ्ने अपनी 1726 की पुस्तक, द पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ द डेविल में लिखा था मृत्यु और करों जैसी निश्चित चीजों पर अधिक दृढ़ता से विश्वास किया जा सकता है। चिकित्सा विज्ञान में प्रगति के बावजूद, मृत्यु के बारे में निश्चितता है। इसके विपरीत हमारी आशाओं के बावजूद, करों के बारे में अपरिहार्यता है। हालाँकि, करों का स्वरूप समय और स्थान के साथ बदलता रहता है। ऐसे कर भी रहे हैं जो विचित्र लगते हैं। लेकिन ऐसा इसलिए है क्योंकि हम संदर्भ से अपरिचित हैं। उदाहरण के लिए, दाढ़ी पर कर था, जिसे आमतौर पर रूसी जार पीटर द ग्रेट (1672–1725) के साथ पहचाना जाता है। उन्होंने यह कर क्यों लगाया? इसके कई कारण थे। सबसे पहले, धर्म–रूसी रूढ़िवादी चर्च–पुरुषों के लिए दाढ़ी रखना अनिवार्य करता था। पीटर द ग्रेट चाहते थे कि रूस आधुनिक बने और पश्चिमी यूरोप जैसा बने, जहाँ साफ–सुथरे रहना आम बात थी। वे प्रतिबंध नहीं लगा सकते थे, क्योंकि धार्मिक विश्वासों को ठेस पहुँचती। इसलिए, उन्होंने दाढ़ी पर कर लगाने का विकल्प चुना। प्रतिबंध के खिलाफ तर्क देने वाले अर्थशास्त्रियों को इसे स्वीकार करना चाहिए। पीटर द ग्रेट का सामान्य ज्ञान आज के व्यवहारिक अर्थशास्त्र के अनुरूप था। दूसरा, इसमें समानता का उद्देश्य था। अमीर व्यापारियों से ज़्यादा कर वसूला जाता था और गरीब किसानों से कम कर वसूला जाता था। इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए कि यह दाढ़ी पर कर था, हम कर नीतियों के जरिए ठीक यही करने की कोशिश करते हैं। तीसरा, इसमें राजस्व–सह–राजकोषीय उद्देश्य था। दरअसल, दाढ़ी कर से ज़्यादा राजस्व नहीं मिलता था। प्रवर्तन एक मुद्दा था। (लोगों को कर चुकाने के सबूत के तौर पर दाढ़ी के टोकन साथ रखने पड़ते थे। कौन इनकी जाँच करेगा?) दाढ़ी करों से अलग, जब हम फैंसी करों के बारे में सोचते हैं, तो हमें प्रवर्तन के बारे में सोचने की जरूरत होती है। रूस के दाढ़ी कर को कैथरीन द ग्रेट (1762–1796) ने निरस्त कर दिया था। बिना किसी सबूत के, ऐसे सुझाव हैं कि हेनरी टप्प् ने भी दाढ़ी कर लगाया था। लेकिन हम जानते हैं कि फ्रांसिस प् (1515–1547) ने फ्रांस में दाढ़ी कर लगाया था, जिसका उद्देश्य राजस्व था। यह आम जनता पर नहीं, बल्कि केवल पुजारियों पर लगाया गया था। इससे प्रवर्तन आसान हो गया होगा। प्रवर्तन इसलिए भी आसान था क्योंकि इस कर में यह भेद नहीं किया गया था कि किस पुजारी की दाढ़ी है, दरबार में अमीर पुजारी की या गरीब गाँव के पुजारी की। यह प्रतिगामी था। लेकिन लोग करों का जवाब भी देते हैं, एक ऐसी घटना जिसका नीति निर्माता अक्सर अनुमान नहीं लगाते। समकालीन रिपोर्टें हैं कि अमीर दरबारी पुजारी दाढ़ी रखना जारी रखते थे, जबकि गाँव के पुजारी इसे मुंडा देते थे। दूसरी ओर, चूंकि धर्म के अनुसार दाढ़ी रखना अनिवार्य था, इसलिए 1936 में यमन (तब उत्तरी यमन) ने दाढ़ी न रखने वाले पुरुषों पर कर लगाया। अगर दाढ़ी कर अजीब लगता है, तो रोम में लगाए गए मूत्र कर के बारे में क्या? यह पेशाब करने पर कर नहीं था, बल्कि सार्वजनिक मूत्रालयों से मूत्र के वितरण पर कर था जिसका उपयोग चमड़े को रंगने और कपड़े धोने जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं में किया जाता था। फिल्मों और टीवी धारावाहिकों में, हम रोमन सीनेटरों को सफेद टोगा पहने हुए देखते हैं। ये सफाई के माध्यम से सफेद हो जाते हैं, जिसके लिए अमोनिया की आवश्यकता होती है, जो मूत्र से आता है। रोम में, सार्वजनिक मूत्रालयों से मूत्र खरीदने वालों को मूत्र कर

देना पड़ता था। इसे सबसे पहले 54 ई. से 68 ई. तक के सम्राट नीरो ने पेश किया था। लेकिन हम इस विचार को 69 ई. से 79 ई. तक के सम्राट वेस्पासियन से अधिक जोड़ते हैं। खातों के अनुसार, वेस्पासियन के बेटे टाइटस ने शिकायत की। उन्हें यह विचार घृणित लगा और वेस्पासियन ने जवाब दिया, षेकुनिया नॉन ओलेट (पैसे से बदबू नहीं आती)। लैटिन अभिव्यक्ति अंग्रेजी साहित्य में चली गई है और कई जगहों पर पाई जाती है। हम टाइटस के किस्से के लिए सुएटोनियस के बारह कैसरों के जीवन के बारे में लिखे गए लेख के आभारी हैं। हालाँकि, अंग्रेजी में सुएटोनियस के अनुवादों में लैटिन अभिव्यक्ति का उपयोग नहीं किया गया है। उदाहरण के लिए, ष्जब टाइटस ने सार्वजनिक सुविधाओं पर कर लगाने के लिए उस पर दोष लगाया, तो उसने पहले भुगतान से पैसे का एक टुकड़ा अपने बेटे की नाक के पास रखा और पूछा कि क्या इसकी गंध उसे अप्रिय लगती है। जब टाइटस ने कहा श्नहींश, तो उसने जवाब दिया, श्लेकिन यह मूत्र से आता है।शष् जब मैं पहली बार इंग्लैंड गया, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि पुराने घर इतने अंधेरे क्यों होते हैं। उनमें खिड़कियाँ कम थीं। वास्तव में, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में खिड़की कर थे। ऐसे अजीब करों के पीछे का एक कारण यह था।

# अष्टांग योग के द्वारा व्यक्ति का विकास करके एक स्वस्थ समाज की रचना की जा सकती है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अलीनगर सुनहरा,कृष्णा नगर स्थित एस एसडी पब्लिक स्कूल में इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन,सूर्या फाउंडेशन और आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया स संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अरुण कुमार भरारी ने कहा कि योग को मात्र योगासनों तक ही सीमित न रखा जाए वरन अष्टांग योग के द्वारा व्यक्ति का विकास करके एक स्वस्थ समाज की रचना की जा सकती है स योग गुरु के डी मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को ध्यान कराया तथा ध्यान के लाभों से अवगत कराया स कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर विनोद कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रोटोकॉल के तहत योगासनों का अभ्यास कराया स इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनंत विरादर जी के नेतृत्व में दसवां विश्व योग दिवस 2024 देशभर में 500 से अधिक शिविर सहयोग राशि से और हजारों शिविर स्वयं अपने खर्चे से कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं स उत्तर प्रदेश में यहां के सक्रिय कार्यकर्ताओं को देखकर के और प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एस एल यादव तथा महासचिव डॉक्टर एल के राय के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अनंत बिरादर जी ने 40 नए कैम्प प्रदान किए हैं स जो सहयोग राशि द्वारा आयोजित किए जाएंगे स उत्तर प्रदेश में इन कैंप को देखकर के यह कहा जा सकता है कि यहां पर अन्य राज्यों की तुलना में बहुत ही अधिक जागरूकता है स प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव डॉक्टर एल के राय ने इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन उत्तर प्रदेश परिवार के साथ सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में अनेक अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये स जिनमें विद्यालय के प्रबंधक रामानंद सैनी, डॉ राकेश प्रताप सिंह, डॉक्टर प्रेम कुमार शर्मा,डॉक्टर पुष्पा यादव, अनुज कुमार शुक्ला, मनमोहन बरकोटी,शरद पांडे, शशांक पाण्डेय,अनिल कुमार सिंह जायसवालर,अशोक भारती, अनुराग सैनी, शिखर यादव,महिमा तिवारी, प्रशांत सैनी समेत लगभग डेढ़ सौ लोगों ने प्रतिभाग किया स योग के ऊपर आये हुए कवियों ने एक से बढ़कर एक कविताओं का काव्य पाठ भी किया।

# पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 की स्पेशल डायरेक्टर आई0बी0(सेवानिवृत्त) से शिष्टाचार भेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० से पुलिस मुख्यालय लखनऊ में राजीव रंजन वर्मा आई०पी०एस० (सेवानिवृत्त) द्वारा शिष्टाचार भेंट की गयी। आईपीएस राजीव रंजन वर्मा द्वारा उ०प्र० एवं केन्द्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया गया। पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा मुलाकात के दौरान प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया तथा पुलिस सेवा को जनोन्मुखी एवं दक्ष बनाने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

# सुरक्षा में अभेद्य धर्मनगरी अयोध्या बनी प्राइवेट अवैध पार्किंग का अड्डा, कभी भी हो सकती है सुरक्षा में बड़ी चूक'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार अयोध्या जहाँ एक तरफ सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील धार्मिक स्थल बन चुका है, वहीं दूसरी तरफ आये दिन श्रीराम जन्मभूमि को आतंकवादी संगठनों द्वारा बम से उड़ाने की धमकी भी दी जाती रही है, अभी चंद दिनों पहले पाकिस्तानी आतंकी संगठन द्वारा रामजन्मभूमि को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ऐसे में अयोध्या में बिना नगर निगमध्‍ विकास प्राधिकरण से परमिशन लिए कई अवैध पार्किंग का संचालन निर्वाध रूप से चल रहा है जिससे मंदिर की सुरक्षा को बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है। प्रतिनिधि द्वारा इसकी जानकारी फोन पर जिलाधिकारी अयोध्या व नगर आयुक्त को दी गई है नगर आयुक्त ने मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाई का आश्वासन दिया है।

जहाँ अवैध पार्किंग के चलते सरकारी पार्किंग की कमाई पर भी बुरा असर पड़ रहा है वहीँ दूसरी तरफ अयोध्या की सुरक्षा भी खतरे में है । एक बड़ी अवैध पार्किंग रामजन्मभूमि गेट नं–3 के सामने संपर्क मार्ग पर बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी के आवास से 50मीटर आगे चल रही है जिसकी सूचना जिलाधिकारी सहित नगर आयुक्त को दे दी गई है।

# 'अयोध्या में 3900 किग्रा0 की गदा लगेगी राजस्थान के 20 कारीगरों ने 75 दिन में तैयार किया, धनुष–बाण तारों में फंसा, इसलिए होगा छोटा'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। राजस्थान के सुमेरपुर से श्रीजी सनातन सेवा संस्थान से 3900 किलो का गदा और 3400 किलो का धनुष–बाण अयोध्या लाया जा रहा है। प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड और संकट मोचन हनुमान की गदा कौमोदकी की प्रतिकृति जिन जगहों से होकर गुजरा, वहां दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लग गया।लोगों ने पुष्प और माला चढ़ाकर शीश नवाया और मंगल की कामना की। गदा और धनुष–बाण दोनों ही पंच धातु से निर्मित है। सुमेरपुर के शिवगंज स्थित श्रीजी सनातन सेवा संस्थान ने ये गदा और धनुष बनवाया है। इसे रामनवमी से बनाना शुरू किया गया था।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा– सूचना मिली है कि कुछ भक्त गदा और धनुष–बाण लेकर आ रहे हैं। पहले उसे कारसेवकपुरम में रखा जाएगा। फिर तय किया जाएगा कि इन्हें कहां स्थापित किया जाए।

# 'सिविल लाइन ईदगाह समेत शहर के 47 मस्जिदों में सकुशल संपन्न हुई ईद की नमाज'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में सकुशल ईद उल अजहा बकरीद की नमाज संपन्न हुई, सिविल लाइन ईदगाह समेत शहर के 47 मस्जिदों में सकुशल ईद की नमाज संपन्न हुई, ग्रामीण क्षेत्र के मस्जिदों में भी पढ़ी गई ईद की नमाज, ईद की नमाज में शहर के पेश इमाम मौलाना समसुल कादरी ने प्रचंड गर्मी में लोगों के सलामती व चौन की दुआ मांगी, नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद व पूर्व राज्यमंत्री पवन पांडे ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को दी ईद उल अजहा की बधाई, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार एसएसपी राजकरण नैय्यर व अन्य अधिकारियों ने सुरक्षा की कमान संभाली।

# कथा कीर्तन समागम संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला में आज विशेष कथा कीर्तन गुरमत समागम संपन्न हुआ।

इस विशेष समागम में पंथ के प्रसिद्ध रागी जत्थे भाई चमनजीत सिंह जी लाल दिल्ली वालों,केकेएनएस गुरमत संगीत एकैडमी के बच्चों, रागी जत्था भाई राजेंद्र सिंह जी ने शबद कीर्तन और मुख्य ग्रंथी ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने गुरमत विचार व्यक्त किए।

स्टेट सेक्रेटरी सतपाल सिंह मीत ने बताया कि के.के.एन.एस. गुरमति संगीत अकादमी के संचालक हरमिंदर सिंह मिंदी, सिख विचार मंच के अध्यक्ष गुरजीत सिंह छाबड़ा और राजकुमार बत्रा के विशेष सहयोग से यह समागम गुरुद्वारा नाका हिंडोला में संपन्न हुआ। जिसमें शाम के दीवान में भाई राजिन्दर सिंह जी ने आरती गायन और नाम सिमरन करवाया, के.के. एन.एस. गुरमत संगीत अकादमी के बच्चों ने रसमयी गुरबानी कीर्तन गायन कर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया विशेष रुप से पधारे भाई चमनजीत सिंह जी लाल जी ने शबद ,तू मेरा पिता तू है मेरा माता तू मेरा बंधप तू मेरा भ्राता, ऐसे गुरु को बल बल जाइए आप मुक्त मोहे तारे, बहुत जन्म बिछड़े थे माधव यह जन्म तुम्हारे लेखेष आदि रागों में गायन करके संगतो को निहाल किया और गुरु चरणों के साथ जोड़ा। कार्यक्रम की समाप्ति पर गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने भाई चमनजीत सिंह लाल जी को सिरोपा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा प्रबंधक कमेटी ने हरमिंदर सिंह मिनदी, गुरजीत सिंह छाबड़ा और राजकुमार बत्रा को सिरोपा देकर संगत की तरफ से उनका सम्मान किया और धन्यवाद दिया।

संगत के लिए लंगर की तैयारी

तजिंदर सिंह और इंद्रजीत सिंह की देखरेख में की गई।कार्यक्रम की समाप्ति पर हरमिंदर सिंह टीटू, कुलदीप सिंह सलूजा और राजवंत सिंह बग्गा के मार्गदर्शन में गुरु का लंगर दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों ने संगत में वितरित किया।

# धर्म अध्यात्म हमारे जीवन में शांति और प्रकाश फैलाते हैं - आचार्य अशोक

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) शिव सत्संग मण्डल के अध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि धर्म अध्यात्म हमारे जीवन में शांति और प्रकाश फैलाते हैं। आँझी रेलवे स्टेशन के समीपवर्ती पूर्व माध्यमिक विद्यालय, सिकंदरपुर कल्लू के सामने मैदान में मण्डल द्वारा रविवार को आयोजित वार्षिक शिवोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य ने कहा कि भारत की संस्कृति, आध्यात्मिकता, जीवन की कला का प्रदर्शन करती है जिससे पूरा विश्व प्रेरित होता है। हम अपने आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से विश्व में एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारा दार्शनिक दृष्टिकोण बहुत अनूठा है। पूरा विश्व योग एवं ध्यान के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक कल्याण के लिए भारत की ओर देख रहा है। विश्व के करोड़ों लोग वेदों, उपनिषदों और शास्त्रों को सीखने, हमारी संस्कृति एवं जीवन शैली को समझने के लिए भारत आते हैं। व्यवस्था प्रमुख यमुना प्रसाद ने ईशतत्व की चर्चा करते हुए कहा कि वह परमेश्वर जिसने सूरज चाँद तारे पशु पक्षी वनस्पति आदि समस्त संसार बनाया है। वही हमारी स्तुति के योग्य है,अन्य नहीं। अतः हमें बुद्धिपूर्वक विचार पूरी गम्भीरता के साथ करना होगा तभी हम ईशतत्व को समझ सकेंगे अन्यथा नहीं।

हरदोई के जिलाध्यक्ष प्रेम भाई ने कहा कि उस एक परमेश्वर की अनादिकाल से विद्वान मनुष्य उपासना करते आये हैं। वही समस्त मनुष्यों का वंदनीय है। सभी सत्पुरुषों ने उसी परमेश्वर की उपासना कर महानता पायी है।और हमारे लिए प्रतीक रूप मन्दिर बनवाये जिनका नाम शिवालय रखा।

अधिवक्ता राम अवतार ने कहा कि हम शिव नाम से उस परमात्मा को याद करें।अपने पूजाघरों में साकार रूप में केवल गुण स्वरूप शंकर भगवान की मूर्ति या चित्र लगायें, सम्भव हो तो परिवार के साथ अन्यथा अकेले ही आरती करें।रात्रिकालमें सोने से पूर्व तथा प्रातः जल्दी उठकर शौचादि से निवृत्त होकर सीधे बैठकर प्रकाश स्वरूप से ध्यान करें।परमात्माकी दया से आपका अन्तर जगमगा उठेगा।भगवान शिव की दया से आपका जीवन दिव्य हो जायेगा, धन्य हो जायेगा इस दिव्य जीवन को आप धारण करें।इसके अलावा रवि लाल,सोन पाल, सुदामा देवी,इंस्पेक्टर नन्हे लाल,रामअवतार सत्संगी,शाहजहाँपुर के जिलाध्यक्ष डॉ कालिका प्रसाद आदि ने बताया कि शिवोपासना से ही समग्र जीवन का कल्याण संभव है।रवि वर्मा के संचालन में हुए इस शिवोत्सव की अध्यक्षता छायाकार राम बहोरन ने की।कार्यक्रम का शुभारम्भ पिढ़मा के लालाराम,प्रचारक प्रेम भाई ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर एवं बेबी ने सामूहिक ईश प्रार्थना से किया।भजनोपदेशक बड़ा गांव, पुवायां के शिक्षक अंकित कंचन, श्री कृष्ण,राज कुमार, योग प्रशिक्षक सत्यम सक्सेना, सुमित, सौम्य, शिवा, शिवम, बहन अमृता, बेबी, प्रतिज्ञा आदि ने प्रेरणादायी भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर लिया।यहाँ बबलू, हरिश्चंद्र, हंसराम, आशाराम आदि सत्संगीजनों ने व्यवस्था में खासा योगदान किया।

# 'जुलाई से फोन कॉल करने वाले का नाम भी दिखेगा'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मुंबई और हरियाणा में ट्रायल शुरू हो गया है।

देशभर में 15 जुलाई तक यह सुविधा शुरू होगी, मोबाइल पर फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए अब किसी ऐप की जरूरत नहीं पड़ेगी, दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों ने कॉल करने वाले के नंबर के साथ उसका नाम भी दिखाना शुरू कर दिया है,

फिलहाल मुंबई और हरियाणा में इसका ट्रायल शुरू किया गया है। पूरे देश में यह सुविधा 15 जुलाई तक शुरू कर दी जाएगी,

इसके निर्देश सरकार ने कंपनियों को दिए हैं, बताया जा रहा है कि जो नाम मोबाइल पर कॉल आने के वक्त दिखाई देगा वह सिम खरीदते वक्त फॉर्म पर दी गई जानकारी के आधार पर होगा।

दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों का कहना है कि यह कदम साइबर अपराध को रोकने के लिए उठाया जा रहा है, ट्राई के अनुसार इसके लिए देशभर के नेटवर्क प्रदाता को अपने ग्राहक आवेदन पत्र CAF में ग्राहकों द्वारा प्रदान किए गए नाम पहचान का उपयोग करना आवश्यक होगा।

# साधु वेशधारीयो ने सगे दो भाइयों पर हमला कर किया मरणासन्न'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में साधु वेशधारी आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने सगे दो भाइयों पर हमला कर मरणासन्न कर दिया। दुकान कब्जेदारी को लेकर दोनों भाइयों पर लाठी डंडे और सरिया से वार किया। पीड़ित दोनों भाई अयोध्या की प्रतिष्ठित मिठाई शॉप के संचालक है। पहले भी उक्त दबंगो के विरुद्ध दुकान से सामान चोरी करने व उसे खाली करवाने की साजिश को लेकर एक भाई ने दर्ज राम जन्मभूमि थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। एफआईआर दर्ज होने की जानकारी से बौखलाए दबंगो ने एक बार फिर से दुकान पर धावा कर पिटाई की। बीच बचाव में एक अन्य व्यक्ति के भी चोटे आई। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर पहले श्री राम हॉस्पिटल में दोनो को भर्ती करवाया बाद में दोनों भाइयों की हालत गंभीर देख चिकित्सको ने मेडिकल कॉलेज को रिफर कर दिया जो कि उपचार उपचार जारी है। देर रात थाना राम जन्मभूमि में घटना से संबंधित एक और मुकदमा दर्ज किया गया। मामला थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र अंतर्गत श्रृंगारहाट हनुमानगढ़ी के समीप का है।

# 'शाहजहांपुर के अम्बा टाकीज में लगी भीषण आग से सब कुछ हुआ राख'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' रविवार को देर रात अचानक अम्बा टॉकीज में लगी भीषण आग से सबकुछ जलकर राख हो गया। सूत्रों के मुताबिक रात को आखिरी शो छूटने के बाद एवं दर्शकों के जाने के बाद सिनेमा हाल में बिजली के शार्ट सर्किट से आग लग गई। इस हादसे में सिनेमा हाल पूरी तरह जलकर राख हो गया। देर रात तक आग की लपटें उठ रही थीं। आग की सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने स्थानीय लोगों एवं पुलिस कर्मियों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। महानगर स्थित अम्बा टॉकीज के चौकीदार ने बताया कि रात्रि लगभग 11 बजे फिल्म शो छूटने के बाद यह हादसा हुआ। सभी कर्मचारी अपने–अपने घर जा चके थे। अचानक से बिजली का शार्ट सर्किट हुआ और बिजली के तार दगने लगे और आग लग गई। देखते–देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। मौके पर मौजूद चौकीदार ने तत्काल अम्बा टॉकीज के मालिक को फोन पर आग लगने की सूचना दी। इसी बीच किसी पब्लिक का फोन दमकल अधिकारी के पास आया।

उन्होंने तत्काल अपनी टीम एवं स्वयं अम्बा टाकीज की ओर रवाना हुए। वहाँ जाकर जब दमकल विभाग की टीम ने देखा कि आग भीषण है तो उन्होंने दमकल की और गाड़ियों को मौके पर बुलाकर बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण अर्थात आग कैसे लगी अभी कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड वालों का मानना है कि आग एसी कम्प्रेशर फटने से भी लग सकती है।

# थाना–आशियाना, कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस०बी० शिरडकर जनपद लखनऊ व पुलिस उप आयुक्त पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन में एंव अपर पुलिस उप आयुक्त पूर्वी अमित कुमावत के कुशल पर्यवेक्षण एवं निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह थाना आशियाना द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरूद्व चलाये जा रहे अभियान के तहत 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त प्रबल प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि वादी मुकदमा द्वारा दिये गये प्रा० पत्र (प्रकरण– विपक्षी द्वारा वादी की मां के गले से चौन छीनकर भाग जाने के सम्बन्ध में) के आधार पर थाना आशियाना, लखनऊ पर मु०अ०सं० 0194/2024 धारा 392 भादवि बनाम अज्ञात के विरूद्ध पंजीकृत होकर मुकमदा उपरोक्त की विवेचना उप निरीक्षक दीपक कुमार सिंह के द्वारा सम्पादित की जा रही है। मुकदमा उपरोक्त में अज्ञात अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। उप निरीक्षक दीपक कुमार सिंह मय हमराह पुलिस बल के मुकदमा उपरोक्त में प्रकाश में आये अभियुक्त जगजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी 551–6/45 न्यू सरदारी खेड़ा थाना आलमबाग लखनऊ उम्र करीब 32 वर्ष उपरोक्त को मुखबिरखास की सूचना पर गिरफ्तारी घटनास्थल देवीखेड़ा मोड़ से समय करीब 06.10 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया। मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं माल बरामदगी के आधार पर धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गयी है एवं अभियुक्त जगजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी 551–6/45 न्यू सरदारी खेड़ा थाना आलमबाग लखनऊ उम्र करीब 32 वर्ष का नाम प्रकाश में लाया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्व थाना पीजीआई लखनऊ पर भी मु0अ0सं0 365/2024 धारा 392 भादवि पंजीकृत है, जिसका लूट का माल भी अभियुक्त जगजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह उपरोक्त से बरामद किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्व विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाले पुलिस बल का नाम व पता– इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह थाना आशियाना, लखनऊ।

# जे0 सी0 आई0 स्वैगर्स लखनऊ द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ राजधानी जेष्ठ माह के पावन महीने पर हर साल की तरह आज शनिवार के दिन जे सी आई स्वैगर्स लखनऊ द्वारा बालाजी महाराज के उपलक्ष्य में भव्य भंडारा आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक उपस्थित रहे भंडारे में हमारे मित्रों का सहयोग रहता हैं। वहां उपस्थित लोगों में जीतू टेकवानी, अनुराग तिवारी, अभिषेक बंसल, अंकुर अग्रवाल, मयंक गोयल ,मोहित दुगल, अमन तलवार, दीपक सुधांशु ,अमित टंडन, गिरीश तनेजा आदि लोग उपस्थित थे

बजरंगबली का पूजन कर प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद के रूप में पूड़ी सब्जी , छोले चावल, कढ़ी चावल, आम का पना,लस्सी आदि तमाम चीजें वितरित की गई भक्त जनों को भक्तों ने हनुमंत की पूजन–अर्चन कर सुख– समृद्धि का आशीर्वाद लिया केसरिया रंगों में सजे–धजे पंडालों में जय जय जय हनुमान गोसाईं... पवनसुत विनती बारंबार जैसे भजन गूंज रहे थे।

# एम डी ऐ एकेडमी के तत्वावधान में फादर्स डे पर समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एम डी ऐ एकेडमी की ओर गोमती नगर पत्रकार पुरम चौराहे के पास सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम मे आज फादर्स डे पर एक समारोह का आयोजन किया।सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम की मैनेजर और सिनियर पूरी टीम नेसेनको गोल्ड डायमंड शो रूम मे कोहिनूर डायमड टैलेंट शो डांसिंग क्वीन माडलिग एम डी ऐ की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आये हुए अतिथि सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम कोहिनूर के अतिथियो का सम्मान किया गया सभी सम्मानित अतिथि कलाकारों को बुके मोमोटो गिफ्ट सेनको एम डी ऐ कोहिनूर ने सभी को सम्मानित किया वही फादर्स डे सैलिब्रेशन हुआ आये अतिथियों मे अजय पाण्डेय अध्यक्ष रजनीश श्रीवास्तव बीजेपी मंडल अध्यक्ष कोहिनूर के उपाध्यक्ष संतोष सैनी पारख व्यापार मण्डल के अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान एम डी सुमन सैनी अतिथि दिपक कमल सैनी सभी अतिथियों का सम्मान किया था

रीना वर्मा ने बहुत ही सुन्दर ढग से सभी मेहमानों का मन मोहा फादर्स डे पर सभी को कोहिनूर एम डी ऐ सेनको की तरफ से बच्चों और अतिथियों को शुभकामनाएं दी वही सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम की पूरी टीम ने कार्यक्रम मे पूर्ण रूप से कार्यक्रम को भव्य स्वागत किया आये हुए मेहमानों का आर्गनाइजर डारेक्टर कौरियोगाफर मोनी मिश्रा ने सभी का बहुत बहुत धन्यवाद दिया सेनको का बहुत बहुत आभार सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम के पूरी टीम ने कार्यक्रम को सहयोग दिया मैनेजर शरद वर्मा सीमा वर्मा खुशबू मिश्रा पूरी का बहुत बहुत धन्यवाद।

## झोलाछाप के इलाज से किशोरी की मौत, परिजनों का हंगामा

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले के कस्बा श्रीनगर में एक झोलाछाप के इलाज से किशोरी की जान चली गई। घटना से नाराज परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा किया। परिजन निजी क्लीनिक संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर परिजनों ने शव नहीं उठने दिया और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद में पुलिस ने परिजनों को समझा–बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना श्रीनगर के बिलरही गांव के मजरा किशोरगंज निवासी विनोद कुमार विश्वकर्मा की पत्नी स्नेहलता ने नवजात शिशु को जन्म दिया था। जिसे देखने के लिए स्नेहलता की छोटी बहन खुशी विश्वकर्मा (14) निवासी कुसमा जनपद छतरपुर आई थी। 12 जून को खुशी को अचानक बुखार आने पर जीजा विनोद उसे श्रीनगर के एक निजी क्लीनिक ले गया। जहां झोलाछाप ने बोतल व इंजेक्शन लगाने के साथ दवाएं दे दीं। इंजेक्शन लगने और दवा खाने के बाद किशोरी की हालत बिगड़ने लगे।

जीजा बोला– गलत इलाज से हुई मौत

पूरे शरीर में सूजन व दाने निकलने पर परिजन उसे छतरपुर जिला अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। शनिवार की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के जीजा ने आरोप लगाया कि निजी क्लीनिक संचालक के गलत इलाज से उसकी साली की मौत हुई है।

रविवार की सुबह शव लेकर पहुंचे परिजनों ने थाने में कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। घटना की तहरीर थाने में दी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज न होने पर परिजनों ने शव नहीं उठने दिया। दो घंटे बाद थानाध्यक्ष शिवपाल सिंह के आश्वासन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थानाध्यक्ष का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

## दरोगा का पैसे मांगने का वीडियो वायरल, रिपोर्ट लगवाने के नाम पर मांगा था खर्चा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में दक्षिण जोन के एक दरोगा का वीडियो शनिवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वह एक व्यक्ति से रिपोर्ट लगाने के नाम पर बातचीत करते नजर आ रहे हैं। एक मिनट 36 सेकेंड का यह वीडियो किसी चौकी प्रभारी के कमरे का बताया जा रहा है। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक शख्स और दरोगा खड़े दिखाई दे रहे हैं। दरोगा कहता है कि हम तुम्हारी बात समझ रहे हैं लेकिन रिपोर्ट कैसी लगाएं ये बताओ... इस बीच एक युवक की आवाज आती है रिपोर्ट वैसी ही लगवाइए। दरोगा पूछता है कि रिपोर्ट लगवाने के लिए खर्च नहीं दोगे। सामने वाला युवक कहता है कि अगर हमारा पैसा मिलता है, तो उसमें से कर देंगे। इसके बाद दरोगा सामने के कमरे में ताला लगाता नजर आता है और कहता है कि अलग से नहीं दोगे। युवक पूछता है कि फिर आप बताओ। जो आपका काम है आप करो जो हमारा है हम करेंगे।

दरोगा तल्खी में बोले– बताएंगे नहीं जो करना है कर दो

दरोगा कहता है कि कुछ नहीं बताया जाता लिख दूंगा बस ये जान लो। युवक की आवाज आती है कि आप बता दो, दरोगा कुछ तल्खी में कहता है बताएंगे नहीं जो करना है कर दो। युवक कुछ मजबूरी बताता है, तो दरोगा शाम को आने की बात कहता है।

एसीपी बोले– वीडियो पुराना है, कई बार वायरल हो चुका है

इसके बाद दरोगा कहता है कि अरे यार हजार दो हजार रुपये दरोगा के लिए क्या मतलब होता है। मामले में एसीपी बाबूपुरवा अमरनाथ ने बताया कि वीडियो पुराना है कि कई बार वायरल हो चुका है। जांच कर आख्या भी भेजी जा चुकी है। इसमें लेनदेन जैसी बात नहीं है।

## संक्षिप्त खबरें

### निर्माणाधीन मकान में राज मिस्त्री ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। निर्माणाधीन मकान में राजमिस्त्री ने फंदा लगाकर जान दे दी। पानी की टंकी फुल होने पर पड़ोसी मकान में देखने पहुंचे तो शव फंदे से लटका मिला। गिरवां थाना क्षेत्र के बलखेड़ा गांव निवासी सुनील वर्मा (42) महुवा में एक व्यक्ति के मकान निर्माण का ठेका लिए था। सात दिन से वह महुवा में रहकर मकान निर्माण कर रहा था। उसने कमरे में लेंटर से साफी से फंदा लगा लिया। शनिवार को सुबह सबमर्सिबल चालू होने और पानी की टंकी भरने पर पड़ोसी अनिल ने पानी बहता देखा तो मकान के अंदर गया। जंगले से देखा तो सुनील फंदे से लटका था। अनिल के जानकारी देने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। पिता संतू वर्मा ने बताया कि सात दिन से सुनील महुवा में रहकर मकान निर्माण का कार्य कर रहा था। तीन भाइयों में बड़ा था। घर में पत्नी मंजू, दो पुत्र और पुत्री हैं। उसने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, उसे जानकारी नहीं है। गिरवां थाना इंस्पेक्टर राकेश तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया खुदकुशी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

### डेबिट कार्ड बदलकर किसान के खाते से उड़ाए 90 हजार

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में डेबिट कार्ड बदलकर बदमाशों ने किसान के खाते से 90 हजार रुपये निकाल लिए। शनिवार को एटीएम बूथ पर रुपये निकालने जाने पर उन्हें जानकारी हुई। बैंक में संपर्क करने पर पता चला कि किसी ने खाते से 90 हजार रुपये निकाल लिए हैं। शमसाबाद थाना क्षेत्र के नगला भिक्की गांव निवासी संदीप ने पुलिस को बताया कि उनके खाते में आलू बिक्री का दो लाख रुपये आया था। शनिवार को उन्होंने खाते से 10 हजार रुपये निकाले थे। तभी पीछे खड़े व्यक्ति ने उनका पासवर्ड देख लिया। इसके बाद रुपये चेक करने के बहाने कार्ड बदल लिया। कुछ देर बाद दोबारा 15000 रुपये निकालने गया, तो पासवर्ड गलत बताने लगा। जांच करने पर उसे कार्ड बदला हुआ मिला। बैंक में संपर्क करने पर बताया गया कि उसके खाते से 90 हजार रुपये निकाले गए हैं। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

### पिकअप का टायर बदल रहे दो लोगों को ट्रक ने कुचला

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार को भीषण हादसा हो गया। यहां ट्रक के कुचलने से दो लोगों की मौत हो गई। हादसा देख लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई है। हादसा मलपुरा थाना क्षेत्र के न्यू दक्षिणी बाईपास स्थित मुड़हरा गांव के पास हुआ। यहां एक मैक्स पिकअप का टायर पंचर हो गया। टायर बदल रहे दो लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी चालक फरार हो गया। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने मौजूद लोगों से बात करके जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे की भयावता इतनी थी कि दोनों के शव बुरी तरह क्षत विक्षत हो गए थे। पुलिस पहचान कराने के प्रयास कर रही है।

### एसडीएम ने सुनी जनसमस्याएं, अभी तीन का किया निस्तारण

सहारनपुर, संवाददाता। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम दीपक कुमार व तहसीलदार प्रकाश सिंह ने जन समस्याएं सुनी। कुल 42 शिकायतें दर्ज कराई गई। इनमें तीन शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। सुनील कुमार सैनी एडवोकेट ने रसूलपुर हलके में कार्यरत लेखपाल की शिकायत की। आरोप है, कि लेखपाल रजिस्ट्रार कार्यालय से एक दाखिल खारिज की मूल पत्रावली रिपोर्ट लगाने के लिए गया था, लेकिन रिपोर्ट नहीं लगाई। आरोप है, कि रिपोर्ट लगाने की एवज में लेखपाल ने 17 हजार रुपये की रिश्वत ली और उसके बाद भी रिपोर्ट गलत लगाई है। इसी तरह से ज्यादातर शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रही। सीओ शशि प्रकाश शर्मा भी मौजूद रहे।

### संपूर्ण समाधान दिवस में 30 शिकायत दर्ज, निस्तारण एक का भी नहीं

सहारनपुर, संवाददाता। संपूर्ण समाधान दिवस में 30 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। शनिवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एडीएम ई डॉ. अर्चना द्विवेदी ने जनशिकायतें सुनीं। उन्होंने शिकायतों से संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को शिकायतों के पारदर्शिता के साथ तय सीमा में निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी भूमि, चकरोड आदि को कब्जामुक्त कराने व पैमाइश संबंधी शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, लोक निर्माण विभाग व बिजली निगम आदि विभागों से संबंधित कुल 30 शिकायतें दर्ज की गई। इनमें से एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं कराया जा सका। इस दौरान एसडीएम संगीता राघव, तहसीलदार जसमेंद्र सिंह, नगरपालिका ईओ सुनील कुमार सरोज, बिजली निगम के एसडीओ नवनीत यादव, कोतवाल धर्मेंद्र गौतम आदि अधिकारी व कर्मचारी रहे।

## मासूम के सिर में लगी गुम चोट पांच घंटे बाद तोड़ा दम

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव अब्दुलपुर स्थित खिरन्नी मोहल्ला दर्दनाक घटना सामने आई है। शुक्रवार रात पड़ोसी से विवाद के दौरान एक महिला की गोद से पांच माह का मासूम जमीन पर गिर गया। मासूम का सिर ईंट से टकरा गया। शनिवार तड़के मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस का कहना है कि परिजन ने इस मामले में कोई कार्रवाई से इंकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक खिरन्नी मोहल्ला निवासी सलीम पुत्र जमील का शुक्रवार की रात करीब साढ़े 11 बजे पड़ोसी से मामूली बात पर विवाद हो गया था। दोनों पक्षों में कहासुनी के दौरान सलीम की पत्नी खुशनसीम अपने पांच माह के बच्चे को गोद में लेकर मौके पर पहुंच गई। इसी दौरान खुशनसीम की गोद से छिटककर अचानक बच्चा गिर गया। जमीन पर ईंट पड़ी थी। ईंट से सिर टकराने के कारण मासूम के चोट लग गई। लेकिन खून नहीं निकलने के कारण परिजन ने इसे गंभीरता से नहीं मिला और बच्चे को चुप करा दिया। लेकिन शनिवार तड़के लगभग चार बजे परिजन को मासूम की मौत की जानकारी हुई। थाना प्रभारी संजय द्विवेदी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने का प्रयास किया। लेकिन परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद बच्चे का शव दफना दिया गया। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नवरत्न ने बताया कि बच्चे अगर गिर जाएं।

## श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, दान करने से पूरी होगी हर मनोकामना

कानपुर, संवाददाता। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। इस बार यह 16 जून रविवार को मनाया जा रहा है। सुबह से ही लोग गंगा नदी में स्नान के साथ विधि–विधान से पूजा–अर्चना व दान कर रहे हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार दशमी तिथि 16 जून की रात 02:32 बजे शुरू होगी और समापन 17 जून की सुबह 04:45 बजे होगा। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी के अनुसार गंगा दशहरा के दिन हस्त नक्षत्र का निर्माण हो रहा है, जो सुबह 11:13 तक रहेगा। इसके साथ स्नान के लिए ब्रह्ममुहूर्त को सबसे उत्तम माना जाता है। ब्रह्ममुहूर्त सुबह 04:03 से सुबह 04:45 के बीच रहेगा। वहीं, इस दिन रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है, जिन्हें पूजा–पाठ, स्नान–दान के लिए सबसे उत्तम समय माना जाता है। रविवार को होने वाले गंगा स्नान को देखते हुए नगर निगम ने घाटों की सफाई कराने के साथ ही सुरक्षा के लिए बल्लियां लगवाईं।

गंगा दशहरा पर इन वस्तुओं का करें दान

गंगा दशहरा के दिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को दान करने का विशेष महत्व होता है। मान्यताओं के अनुसार दान की जाने वाली वस्तुओं की संख्या 10 होनी चाहिए। इस दिन आप 10 फल, 10 पंखे, 10 सुराही, 10 छाते या फिर 10 हिस्से अन्न का दान कर सकते हैं।

गंगा दशहरा की पूजा विधि

ज्योतिषाचार्य पं. गौरव तिवारी के अनुसार गंगा दशहरा के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में मां गंगा या किसी भी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। जाना संभव न हो तो घर पर ही गंगा जल को पानी में मिलाकर स्नान करें। इसके बाद भगवान सूर्य को जल अर्पित करें और पितरों को काले तिल युक्त जल से जलांजलि दें। ईश्वर से उनकी मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। इस दिन पितरों की मुक्ति व उनका आशीर्वाद पाने के लिए पितृ सूक्त का पाठ या फिर गीता के सातवां अध्याय का भी पढ़ सकते हैं। पूजा के समय गंगा माता की आरती करें और हो सके तो योग्य सत्पात्र को भोजन कराएं और दक्षिणा आदि दें। इससे पुण्य फल प्राप्त होगा।

शहर में यह होंगे मुख्य आयोजन

गंगा दशहरा के दिन संत बालयोगी अरुणपुरी चौतन्य महाराज के सानिध्य में श्याम गंगा तट श्री सिद्धनाथ धाम द्वितीय काशी जाजमऊ में मां गंगा महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें सुबह सात बजे आरती, फिर दोपहर 12 बजे तक भंडारा, शाम साढ़े चार बजे भजन संध्या, पांच बजे हवन, शाम छह बजे मां गंगा को चुनरी अर्पण किया जाएगा। इसके बाद मां गंगा की महाआरती होगी। वहीं, श्री ओमर वैश्य युवा परिवार की ओर से गंगा दशहरा पर गुप्तार घाट में विशाल सामूहिक पूजा, चुनरी अर्पण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

## 15 दिन में हॉस्टल खाली करें स्टाफ नर्स, सीएमएस ने जारी किए नोटिस

शामली, संवाददाता। जिला अस्पताल की आवासीय कॉलोनी में बने नर्स हॉस्टल में नियम विरुद्ध रह रहीं आठ स्टाफ नर्स को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने नोटिस जारी कर 15 दिन में खाली करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने हॉस्टल खाली न करने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिला अस्पताल में पीछे की तरफ आवासीय कॉलोनी में नर्स हॉस्टल बना हुआ है। नर्स हॉस्टल में संविदा पर नियुक्त आठ स्टाफ नर्स रह रही है। इन स्टाफ नर्स की नियुक्ति जिला अस्पताल में एसएनसीयू व एनआरसी में है। हॉस्टल में स्टाफ नर्स करीब दो साल से रह रही है जबकि नियमानुसार हॉस्टल में अस्थायी तौर पर कुछ दिन के के लिए ही नर्सिंग स्टाफ रह सकता है। पूर्व में तैनात रहे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने उन्हें मौखिक तौर पर हॉस्टल में रहने के लिए आवास आवंटित कर दिए थे। 31 मई को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अंजू जोधा के सेवानिवृत्त होने के बाद वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अशोक कुमार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कार्यभार संभाल रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया नर्स हॉस्टल में नियम विरुद्ध रह रही आठ स्टाफ नर्स को नोटिस जारी कर 15 दिन में आवास खाली करने के निर्देश दिए हैं। आवास खाली न करने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी है।

स्टाफ नर्स के बीच आए दिन झगड़ा होने पर जारी किए नोटिस

बताया गया है कि स्टाफ नर्सों के बीच आए दिन किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा करती रहती है। उन्हें कई बार समझाया गया, लेकिन वे नहीं मानी।

यहां तक कि एक दो–बार तो पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। आए दिन इनके बीच झगड़ा होने के कारण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने हॉस्टल में रह रही सभी स्टाफ नर्स को आवास खाली करने के नोटिस जारी किए हैं।

## खाद्यान लेने गई वृद्धा को ट्रक ने कुचला मौत

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले के मुस्करा कस्बे में सरकारी राशन की दुकान में बट रहा खाद्यान लेने गई वृद्धा की ट्रक की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक दुकान में खाद्यान उतारकर वापस जा रहा था। तभी घटना हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव और ट्रक को कब्जे में ले लिया। ट्रक ड्राइवर मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। कस्बा के चार थोक शीतला माता मंदिर निवासी जागेश्वर पुत्र हल्कूप्रसाद साहू ने बताया कि वह पांच भाई हैं। और वृद्ध माता–पिता पांचो से अलग रहते हैं। रविवार सुबह 11रू00 बजे माता–पिता दोनों खाद्यान लेने बिलगांव रोड कोटा (सरकारी राशन वितरण केंद्र) गए थे। वहीं पर कोटे का चावल व अन्य खाद्यान लेकर ट्रक आया था। ट्रक राशन खाली करके वापस जा रहा था। तभी सड़क पर कोटा के सामने उसकी मां मंझली (68) वर्ष ट्रक के पहिए के नीचे आ गई। लोगों ने शोर मचाया, लेकिन ड्राइवर ने कोई ध्यान न दिया और ट्रक का पहिया मां के ऊपर से निकल गया।

ट्रक ड्राइवर मौका पाकर हो गया फरार

इससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर मौका पाकर वहां से ट्रक छोड़कर भाग निकला। मृतका के नाती अशोक वर्मा ने मौके पर पहुंचकर पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। वहीं, थाना प्रभारी निरीक्षक शशि पांडे मय पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंच गए।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस ने ट्रक सहित शव को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया कि परिजनों द्वारा तहरीर मिलने पर ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंझली की मौत पर उसके वृद्ध पति हल्कू कर बुरा हाल हो गया। उसने रोते–रोते बताया कि वह राशन लेने आए थे, राशन तो मिल गया लेकिन खिलाने वाली चली गई। वहीं मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि ट्रक कस्बे के ही एक ट्रांसपोर्ट कंपनी का है और ड्राइवर भी कस्बे का निवासी है।

## आवास-विकास परिषद ने अपनी जमीनों की कीमत 10% बढ़ाई, फ्लैट और निर्माणाधीन इमारतों के नहीं बढ़े दाम

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में उत्तर प्रदेश आवास–विकास परिषद ने चार वर्ष बाद फिर से अपनी जमीनों की कीमतें बढ़ा दी हैं। 13 जून को हुई बोर्ड बैठक में तीन से लेकर 16 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाई है। कानपुर की योजनाओं में 10 प्रतिशत तक कीमत बढ़ी है। हंसपुरम योजना में 100 वर्गमीटर आवासीय जमीन अब 51 लाख मिलेगी, पहले 45 लाख की थी। इसी तरह कल्याणपुर के आंबेडकरपुर में 100 वर्गमीटर आवासीय प्लॉट अब 35 लाख रुपये का मिलेगा। फ्लैटों और निर्माणाधीन इमारतों के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। आवास–विकास परिषद को अपनी जमीन और फ्लैट के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इस बीच कीमतें बढ़ाने के फैसले ने अधिकारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कीमतें लखनऊ, गाजियाबाद, कानपुर, प्रयागराज तथा अयोध्या योजना की बढ़ाई गई हैं।

केशवपुरम योजना सबसे महंगी परिषद की कल्याणपुर क्षेत्र की आंबेडकरपुरम योजना में 32 भूखंड और केशवपुरम में 11 भूखंड खाली पड़े हैं। इनमें इंस्टीट्यूशनल, हेल्थ क्लब, स्कूल आदि कामर्शियल प्लॉट शामिल हैं। केशवमपुरम योजना के रेट 73 हजार रुपये वर्ग मीटर थे। 100 वर्ग मीटर का जो प्लॉट करीब 73 लाख का था, वह अब 80 लाख रुपये का मिलेगा।

इन योजनाओं में इतनी हुई भूखंडों की कीमत

इसी तरह आंबेडकरपुरम योजना में कामर्शियल भूखंड 50 हजार और आवासीय भूखंड 32 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर थे। अब इनकी कीमत 55 हजार और 35 हजार वर्ग मीटर हो गई है। वहीं नौबस्ता हंसपुरम योजना में आवासीय और कॉमर्शियल दोनों भूखंड खाली पड़े हैं। कॉमर्शियल भूखंड की दर 50 हजार रुपये और आवासीय भूखंड की दर 46 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर थी। इनमें भी पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।

फ्लैट और निर्माणाधीन इमारतों के नहीं बढ़े दाम

आवास–विकास ने केवल खाली पड़े भूखंडों व जमीनों की कीमतें बढ़ाई हैं। गंगा इंक्लेव और ब्रह्मावर्त योजना में खाली पड़े फ्लैट की कीमत नहीं बढ़ाई गई है। चार माह पहले फ्लैटों के दामों में 10 फीसदी की छूट दी गई थी, लेकिन कोई खरीदार नहीं पहुंचा। इसी तरह नौबस्ता के हंसपुरम योजना में बनी इमारतों के फ्लैटों के दाम नहीं बढ़ाए हैं। बोर्ड बैठक में 10 प्रतिशत तक जमीनों के दाम बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। फ्लैट और बने भवनों की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। बढ़ी कीमतें आदेश मिलते ही लागू कर दी जाएंगी।

## तापमान एक डिग्री सेल्सियस हुआ कम, भीषण गर्मी से नहीं मिली राहत

शामली, संवाददाता। जिले के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस कम होने के बाद भी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। गर्मी के कारण लोग बेहाल हो रहे हैं। धूप से बचने के लिए छांव तलाश रहे हैं। अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार रात को आसमान में बादल छा गए थे। बादलों के साथ करीब 15 मिनट तक तेज हवा भी चली। लोगों को बारिश होने की उम्मीद जागी थी, लेकिन बादल बिना बरसे ही चले गए थे। तेज हवा चलने पर कुछ देर के लिए विद्युत आपूर्ति भी बाधित रही। हवा की गति मंद पड़ने के बाद विद्युत आपूर्ति चालू हुई। शनिवार को सुबह से ही चिलचिलाती धूप निकलने से लोगों को गर्मी में हाल बेहाल रहा। सुबह सात बजे के बाद हवा गर्म लू चलनी शुरू हो गई थी। तपती धूप के साथ लू चलने से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल रहा। लोग धूप से बचने के लिए छांव की तलाश करते रहे। दोपहर में तो गर्मी में लोगों का हाल बेहाल रहा। दोपहर के समय गर्मी के कारण बाजार व सड़कें वीरान रहीं। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों से बाहर नहीं निकले। शाम को छह बजे के बाद लोग घर से बाहर निकलने पर बाजारों में रौनक नजर आई। पिछले 24 घंटे में जिले के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की कमी आने पर 44 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि रात के तापमान में बदलाव में न होने पर न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस बना रहा।

## जिला अस्पताल में जांच फ्री, सीएचसी में लग रहा शुल्क

शामली, संवाददाता। जिले के कई सरकारी अस्पतालों में ओपीडी का पर्चा बनवाने के लिए मरीजों से एक रुपये के स्थान पर दो रुपये शुल्क लिया जा रहा है। इसके साथ ही जांच और एक्सरे का भी शुल्क भी लिया जा रहा है। रुपये लेने वालों का कहना है कि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार के आदेश पर मरीजों से शुल्क बढ़ाकर लिया जा रहा है। जिला अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पतालों में मरीज के पंजीकरण शुल्क के नाम पर एक रुपये का ओपीडी का पर्चा बनाया जा रहा था। साथ ही एक्सरे व अन्य सभी तरह की जांच की सुविधा निशुल्क थी। अब जिला अस्पताल और शामली सीएचसी को छोड़कर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में एक सप्ताह से पंजीकरण शुल्क एक रुपये से बढ़ाकर दो रुपये में बनाया जा रहा है। इसके साथ ही मरीजों से विभिन्न जांच व एक्सरे का शुल्क भी अलग से वसूल किया जा रहा है। जिला अस्पताल और सीएचसी शामली में पंजीकरण शुल्क एक रुपया होने के साथ ही मरीज की जांच के लिए भी कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैराना के चिकित्साधीक्षक डॉ. शैलेंद्र चौरसिया ने बताया सीएमओ के निर्देश पर आठ जून से मरीज का ओपीडी का पर्चा दो रुपये में बनाया जा रहा है। इसके अलावा एक्सरे के लिए मरीज से 30 रुपये व रक्त व अन्य जांच के लिए दो रुपये से पांच रुपये शुल्क लिया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानाभवन के चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुशील कुमार ने बताया इस महीने के पहले सप्ताह से मरीज का ओपीडी का पर्चा दो रुपये में बनाया जा रहा है। मरीज की जांच के लिए निर्धारित शुल्क दो से तीन रुपये लिए जा रहे हैं। उनके यहां तकनीशियन न होने के कारण एक्सरे नहीं हो रहे हैं। जलालाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्य चिकित्साधिकारी के आदेश पर छह जून से ओपीडी का पर्चा दो रुपये में बनाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊन में भी ओपीडी का पर्चा बनाने के लिए दो रुपये मरीज से लिए जा रहे हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।